महाशिवरात्रि के सम्मान में

श्रीगुरुमाई द्वारा चुना हुआ
शिवस्तोत्रावली से एक श्लोक

अपने हाथों से आपका पूजन करते हुए मैं,
परमेश्वरी सहित आपके दर्शन करता रहूँ।
आप अन्तर के व बाहर के सभी पदार्थों में प्रकाशमान हैं
और तीनों लोकों में सतत व्याप्त हैं।

अंग्रेज़ी भाषान्तर : कॉन्सटॅन्टिना रोड्ज़ बेली, *Shaiva Devotional Songs of Kashmir: A Translation and Study of Utpaladeva's Shivastotravali* [ऑल्बनी, न्यूयॉर्क : SUNY Press, १९८७], पृ. ७८।

© २०१७ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।